(क) श्रीकृष्ण अपनी माँ यशोदा को तर्क क्यों दे रहे होंगे?

उत्तर – इस पद में श्री कृष्ण के बाल स्वरूप का वर्णन किया गया है। प्रत्येक बच्चा जब गलती करता है तो अपनी गलती को छिपाने की पूरी कोशिश करता है। इसी कारण श्री कृष्ण ने भी माँ यशोदा को तर्क दिए होंगे, कि उन्होंने माखन नहीं खाया। ग्वाल-बालों ने उनके मुख पर लगा दिया है ताकि माँ यशोदा उन्हें न डाँटे और ग्वाल-बालों को डाँटे।

(ख) जब माता यशोदा ने श्रीकृष्ण को गले से लगा लिया, तब क्या हुआ होगा?

उत्तर – जब माँ यशोदा ने श्री कृष्ण की नटखट बातों को सुनकर उन्हें गले से लगाया होगा तो उनका सारा क्रोध समाप्त हो गया होगा और कृष्ण के प्रति उनका प्रेम और अधिक बाद गया होगा।

प्रश्न 1 – 'मैया मैं नहिं माखन खायो' कविता में किस घटना का वर्णन किया गया है?

उत्तर – 'मैया मैं नहिं माखन खायो' कविता में कवि सूरदास जी ने श्री कृष्ण और माता यशोदा के उस वार्तालाप के अंश का वर्णन किया है जहाँ श्री कृष्ण अपनी नटखट बातों से माता यशोदा को मनाने का प्रयास कर रहे हैं कि उन्होंने मक्खन नहीं खाया है।

प्रश्न 2 – अपने आपको निर्दोष बताते हुए कृष्ण क्या तर्क देते हैं?

उत्तर – श्रीकृष्ण कई तर्क देते हैं जैसे – वे सुबह होते ही गौओं के पीछे चले जाते हैं और शाम होने पर ही घर आते हैं। उनके छोटे-छोटे हाथ अथवा बाँह हैं वे कैसे छीको अर्थात दही या मक्खन रखने का बर्तन को प्राप्त कर सकते हैं। श्री कृष्ण अपने ग्वाल मित्रों पर ही आरोप लगा देते हैं कि असल में वे ग्वाल मित्र ही उनके मुँह पर जबरदस्ती मक्खन लगा देते हैं, जिसके कारण माता यशोदा को यह भ्रम हो जाता है कि कृष्ण ने मक्खन खाया है।